CIK-01/DFJK-03

June - Examination 2026

कर्मकाण्ड में प्रमाण–पत्र

Certificate in Karmkand Examination

नित्यकर्म प्रयोग

Paper : CIK-01/DFJK-03

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **100***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) पंचांग पांच अंगों के नाम के नाम लिखिए।
   (ii) चान्द्रमास किसे कहते हैं?
   (iii) गण्डमूल नक्षत्र कौन से हैं?
   (iv) षड् ऋतुओं के नाम लिखिए।
   (v) पूर्णिमा के कोई दो भेद बताइए।
   (vi) नामकरण किस आयु में किया जाता है?
   (vii) करन्यास से आप क्या समझते हैं?
   (viii) योग कितने होते हैं?
   (ix) प्रतिष्ठा का मन्त्र लिखिए।
   (x) कपाल क्रिया किसे कहते हैं?

खण्ड–'ब' **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।

2. मन्त्र पुष्पाजंली का मन्त्रात्मक वर्णन कीजिए।
3. प्रातः स्मरणीय मन्त्रों का वर्णन कीजिए।
4. वेदी निर्माण विधि का वर्णन कीजिए।

5. पंचांग की विवेचना कीजिए।

6. नवदुर्गाओं का नामोल्लेख कीजिए।

7. पितृतर्पण विधि का संक्षिप्त वर्णन करें।

8. षोडशोपचार में होने वाले उपचारों का नामोल्लेख कीजिए।

9. मलिनपोड़शी का वर्णन कीजिए।

खण्ड–'स' **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

10. गणपति पूजन का विशद वर्णन कीजिए।

11. पंचमहायज्ञों के सांगोपांग का वर्णन कीजिए।

12. नवग्रह पूजन का मन्त्र सहित वर्णन कीजिए।

13. पुरुष सूक्त का मन्त्र सहित वर्णन कीजिए।
